लंदन में भारतीय समुदाय के स्वागत समारोह में प्रधानमंत्री का भाषण

लंदन
9 अक्तूबर 2006

मैं यहां ब्रिटेन में भारतीय समुदाय के लोगों के बीच आकर बहुत प्रसन्न हूं। जैसा कि उच्चायुक्त ने कहा कि भारतीय समुदाय के जो लोग दुनिया भर में रह रहे हैं, उनमें ब्रिटेन के प्रवासी भारतीय सबसे अधिक सुस्थापित हैं।

ब्रिटेन में भारतीय समुदाय के जो लोग रहते हैं, चाहे वे किसी भी धर्म के हों, शैक्षिक उपलब्धियों, आर्थिक स्थिति, सामाजिक समन्वय और सांस्कृतिक सक्रियता की दृष्टि से सबसे अलग हैं। जिस देश में वे रहते हैं, वहां के लिए वे एक बहुत बड़ी सम्पदा हैं और अपने देश भारत के लिए वे गौरव का विषय हैं।

ब्रिटेन में जो समुदाय रह रहे हैं, उनमें भारतीय समुदाय के लोगों में जो समन्वय है, वह इस देश में उनके सफल निरूपण और ब्रिटेन में उनके योगदान का ज्वलंत उदाहरण है। भारत में सभ्यताओं के बीच विवाद के लिए कोई स्थान नहीं है और भारतीय समुदाय के लोग इस बात का ज्वलंत उदाहरण हैं कि सभी धर्मों और विश्वास को मानने वाले भारतीय यहां मिलजुल कर अच्छी तरह रहे हैं।

हमारे बहुसमुदायी समाज ने प्रत्येक भारतीय में सहिष्णुता तथा और संस्कृतियों, भाषाओं, धर्मों तथा राजनीतिक और सामाजिक विचारों और रहन-सहन के विभिन्न तरीकों के बीच सामंजस्य जैसे गुण भर दिए हैं। मैं समझता हूं कि इन्हीं गुणों के कारण ही यहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोग बहुत ही सहज तरीके से अपने-आपको परिस्थितियों के अनुकूल ढाल लेते हैं और यही चीज सभी भारतीयों को, चाहे वे दुनिया के किसी कोने में क्यों न हों, औरों से अलग करती है।

ब्रिटेन जैसे मुक्त समाज में भारतीय समुदाय की उपलब्धियां वास्तव में बिल्कुल सही हैं, क्योंकि यहां पर व्यक्ति की योग्यता को महत्व दिया जाता है और एक के बाद एक ब्रिटेन आने वाले प्रवासियों को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक आजादी दी जाती रही है। जहां मैं ब्रिटेन में रहने वाले अपने देशवासियों की उल्लेखनीय सफलता की सराहना करना चाहूंगा, वहीं मैं ब्रिटिश समाज की उदारता की भी प्रशंसा करूंगा, जिन्होंने हमारे लोगों को ऐसा माहौल दिया है, जिसमें कि वे अच्छी तरह काम कर सकें और उन्नति कर सकें।

भारत आज आगे बढ रहा है। लगभग 15 वर्ष पहले भारत में शुरू हुई आर्थिक सुधारों की प्रकिया बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था ने विकास दर में लगातार वृद्धि दर्ज की है। आज व्यापार की दृष्टि से भारत विश्व भर के लिए सबसे अधिक आकर्षक देश है। यह इस बात का संकेत है कि किस हद तक से भारतीय अर्थव्यवस्था ने विश्व में सफलतापूर्वक अपना स्थान बनाया है। कई भारतीय कंपनियों ने ब्रिटेन सहित दुनिया भर में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी दर्ज की है।

भारत को पिछले चार वर्षों में लगातार 8 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखने की सराहनीय उपलब्धि पर गर्व है। अर्थव्यवस्था में इस समय जो उत्साह और मजबूती का माहौल है, वह हमारे लोगों की सृजनशीलता का प्रमाण है, जो 1990 के शुरू के वर्षों में बड़े पैमाने पर हुए

आर्थिक सुधारों के बाद उभर कर सामने आई है। हम इस समय अपने लाखों-करोड़ों लोगों की जरूरतों को पूरा करने के विशाल कार्य में लगे हुए हैं।

प्रधानमंत्री ब्लेयर, ब्रिटेन के राजनीतिक नेताओं और व्यापार तथा उद्योग जगत के प्रमुख लोगों के साथ विचार-विमर्श के बाद मुझे लगा है कि नए उभरते भारत की पहचान बन रही है। मेरा दृढ विश्वास है कि भारत और ब्रिटेन मिलकर काम कर सकते हैं क्योंकि दोनों ही ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था का लाभ उठाने की दृष्टि से पूरी तरह तैयार हैं, जिससे 21वीं शताब्दी का स्वरूप बदलेगा।

हमारे दोनों देशों की राजनीतिक संस्थाओं और परम्पराओं के बीच गहरी समझ है और लोकतंत्र तथा मौलिक मानवाधिकारों के प्रति निष्ठा है। हम ब्रिटेन में राजनीतिक प्रक्रिया में आपकी निरंतर सक्रिय भागीदारी का स्वागत करेंगे।

भाईयो और बहनो, मेरे विचार में इस समय भारत में जो बदलाव आ रहा है, वह इस शताब्दी की दूरगामी प्रभाव वाली क्रांतियों में से एक है। एक अरब से अधिक लोग एक ऐसे खुले समाज और एक ऐसी खुली व्यवस्था के दायरे में अपने कल्याण और उन्नति की अपेक्षा रखते हैं, जिनकी कानून के नियम और मौलिक मानवाधिकारों में पूरी निष्ठा है। मैं आपको इस सृजनशीलता के प्रयासों में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता हूं। आप किसी भी रूप में इसमें भाग ले सकते हैं।

अंत में, मैं आपके सामने पंडित जवाहरलाल नेहरू के शब्दों को रखना चाहूंगा। उन्होंने नसीहत दी थी कि विदेशों में रहने वाले भारतीयों को अपने हृदयों में भारत को संजो कर रखने के साथ-साथ जिस देश में वे रहते हैं, उसके प्रति पूरी निष्ठा रखनी चाहिए। मुझे इस बात की खुशी है कि आप सभी इस बात पर खरे उतरते हैं। इसके लिए मैं आपका आभारी हूं।

******